ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 04 सितम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 132

पृष्ठ 4

जंतर-मंतर मारपीट का आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज बुलंदशहर से गिरफ्तार

बोला- पूरा विपक्ष भी एकजुट हो जाए, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

CJP के 3 घंटे प्रदर्शन के बाद पुलिस ने लिया हिरासत में

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। जंतर-मंतर पर CJP कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता संजय कुमार के साथ मारपीट के मामले में आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को आखिरकार बुलंदशहर से पकड़ लिया गया। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्र को हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तारी से कुछ समय पहले ही स्वतंत्र ने हसनपुर में मीडिया से करीब 3 मिनट तक बात की और बेखौफ अंदाज में कहा कि चाहे पूरा विपक्ष एकजुट हो जाए, कोई उसका बाल भी बांका नहीं कर सकता। उसने खुद को सनातन के लिए काम करने वाला बताया और अपने ऊपर लगे आरोपों को सेल्फ डिफेंस की कार्रवाई बताया। स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग को लेकर CJP ने शुक्रवार को दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर करीब 3 घंटे तक प्रदर्शन किया। पुलिस के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। CJP की ओर से आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और SC/ST Act की संबंधित धाराएं जोड़ने की मांग की गई। पुलिस ने 72 घंटे के भीतर गिरफ्तारी का भरोसा भी दिया था।

मामला 23 जून का है, जब जंतर-मंतर पर CJP के प्रदर्शन के दौरान नीशू आजाद के पिता संजय कुमार के साथ मारपीट हुई थी। संजय की शिकायत पर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में मामला दर्ज किया गया था। बाद में स्वतंत्र भारद्वाज का एक पॉडकास्ट वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह संजय के सिर पर हमला करने की बात स्वीकार करता नजर आया। स्वतंत्र ने दावा किया कि उसने आत्मरक्षा में ऐसा किया था और उसे 10-15 लोगों ने घेर रखा था।

वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि संजय के सिर पर कड़े से चोट लगी थी और उन्हें RML अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया था। मेडिको-लीगल रिपोर्ट में चोट साधारण बताई गई। पुलिस ने खोपड़ी फटने या फ्रैक्चर के दावे को गलत बताया। पुलिस के मुताबिक स्वतंत्र भारद्वाज और सूरज कुमार को मौके से हिरासत में लिया गया था। बाद में दोनों से नोटिस देकर पूछताछ की गई और पुलिस का कहना है कि कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है तथा जल्द चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

पकड़े जाने से पहले बोला- मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

दिल्ली पुलिस के मुताबिक स्वतंत्र बुलंदशहर से फरार हुआ था। वह बुलेट मोटरसाइकिल से नैथला गांव से खुर्जा की ओर गया और पहचान छिपाने के लिए हेलमेट पहने हुए था। गिरफ्तारी से पहले जेवर से बुलंदशहर होते हुए दिल्ली जाते समय हसनपुर में उसने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उसने कहा कि चाहे ट्रंप आ जाएं, नेतन्याहू आ जाएं या राहुल गांधी समेत पूरा विपक्ष सड़क पर उतर आए, उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

चिराग पासवान ने भी दर्ज कराई शिकायत

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी स्वतंत्र भारद्वाज के पॉडकास्ट में उनके और कपिल मिश्रा के नाम का कथित तौर पर इस्तेमाल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। चिराग ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति खुले तौर पर किसी को इतनी बुरी तरह पीटने की बात स्वीकार करता है कि उसकी मौत भी हो सकती थी और इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होती, तो यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वतंत्र के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है और दिल्ली पुलिस से निष्पक्ष जांच का आग्रह किया है।

नीशू बोलीं- हमें सुरक्षा चाहिए

नीशू आजाद ने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और धमकियां देने वालों के खिलाफ शिकायत और FIR दर्ज कराई गई है। नीशू ने कहा कि उन्हें सुरक्षा की जरूरत है और उन्हें नहीं पता कि कब और कहां उन पर हमला हो सकता है।

पिता का वीडियो भी वायरल

इस बीच संजय कुमार का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह कथित तौर पर स्वतंत्र को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। संजय ने बाद में इसे अधूरा वीडियो बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ इतना कहा था कि यदि स्वतंत्र को उनसे लड़ना है तो सामने आकर लड़े। उनका आरोप है कि उन पर अचानक हमला किया गया था। CJP नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका ने मामले में पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोपी की गिरफ्तारी और कड़ी धाराएं लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर बड़ी संख्या में CJP समर्थक जुटे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी हुई।

शेयर बाजार में आज: सेंसेक्स 362 अंक चढ़ा, 76,515 पर बंद; निफ्टी 24 अंक ऊपर, मेटल शेयरों में खरीदारी

24 न्यूज अपडेट

मुंबई, 4 सितम्बर। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 362 अंक चढ़कर 76,515 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी में 24 अंकों की तेजी रही और यह 23,897 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। भारतीय बाजार के साथ एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को तेजी का रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 108 अंक चढ़कर 6,687, जापान का निक्केई 806 अंक की बढ़त के साथ 65,021 और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 438 अंक ऊपर 25,651 के स्तर पर बंद हुआ।

घरेलू निवेशकों ने 7 दिन में लगाए 14,226 करोड़

घरेलू संस्थागत निवेशकों यानी DII ने पिछले 7 कारोबारी दिनों में भारतीय शेयर बाजार में 14,226 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की है। पिछले 30 दिनों में यह आंकड़ा 64,387 करोड़ रुपए रहा। इसके विपरीत विदेशी निवेशकों ने बीते 7 दिनों में 2,500 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की है।

गुरुवार को 417 अंक गिरा था सेंसेक्स

इससे एक दिन पहले गुरुवार, 3 सितम्बर को बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। इंडिकेटिव क्लोजिंग के दौरान सेंसेक्स करीब 2,100 अंक तक नीचे फिसल गया था। हालांकि अंतिम क्लोजिंग में गिरावट सीमित रही और सेंसेक्स 417 अंक यानी 0.55% गिरकर 76,153 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 41 अंक यानी 0.17% की गिरावट के साथ 23,873 पर बंद हुआ था।

95 रुपए का पुट ऑप्शन 446 रुपए तक पहुंचा

गुरुवार को एक्सपायरी के दिन क्लोजिंग ऑक्शन सेशन के दौरान सेंसेक्स में अचानक आई गिरावट का असर ऑप्शन कारोबार में भी देखने को मिला। दोपहर 3:15 बजे सेंसेक्स करीब 76,554 पर ट्रेड कर रहा था। उस समय 76,600 स्ट्राइक का कॉल ऑप्शन 152 रुपए और पुट ऑप्शन 95 रुपए पर था। लेकिन क्लोजिंग ऑक्शन सेशन खत्म होने तक सेंसेक्स करीब 76,152 पर आ गया। इसके बाद कॉल ऑप्शन की वैल्यू शून्य हो गई, जबकि 95 रुपए वाला पुट ऑप्शन बढ़कर 446 रुपए तक पहुंच गया। इस अचानक बदलाव से पुट खरीदारों को बड़ा फायदा हुआ, जबकि कॉल राइटर्स और सेलर्स को नुकसान उठाना पड़ा।

3 अगस्त से लागू हुआ नया CAS सिस्टम

भारतीय शेयर बाजार में क्लोजिंग ऑक्शन सेशन यानी CAS व्यवस्था 3 अगस्त से लागू की गई है। इसका उद्देश्य बाजार बंद होने के समय ऑर्डर्स के मिलान के जरिए शेयरों की आधिकारिक क्लोजिंग प्राइस तय करना है।

नेपाल में तबाही के 9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर, रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला

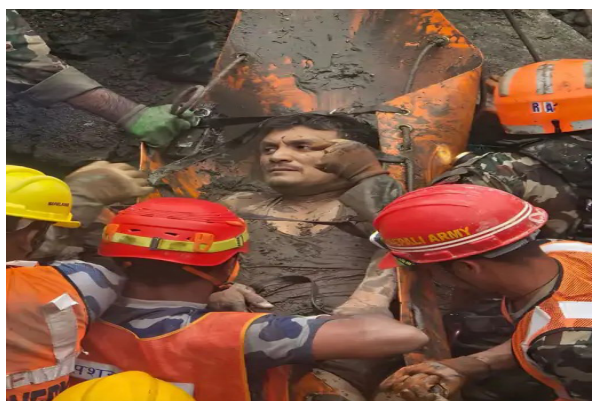

24 न्यूज अपडेट

नेपाल. भीषण बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3A हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूरों को जिंदा बाहर निकाल लिया गया। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाए गए मजदूरों की पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। सुरंग से दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद लंबे समय से जारी बचाव अभियान में नई उम्मीद जगी है। बाढ़ के बाद त्रिशूली-3A परियोजना की सुरंग में 42 कर्मचारियों और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग के अंदर पहुंचीं और तलाशी अभियान तेज कर दिया गया। लगातार अभियान के बाद शुक्रवार को दो मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता मिली। कबीर महर्जन 25 अगस्त की सुबह त्रिशूली-3A परियोजना में मेंटेनेंस के काम के लिए गए थे। 26 अगस्त को बाढ़ आने के बाद उनका फोन बंद हो गया था। उस सुबह करीब 7:30 बजे उनकी पत्नी हीरा शोभा से कबीर की आखिरी बार बात हुई थी। कई दिनों तक कोई जानकारी नहीं मिलने से परिवार की चिंता बढ़ती जा रही थी। रेस्क्यू के बाद कबीर को जिंदा देखकर पत्नी ने राहत की सांस ली और कहा कि ऐसा लगा जैसे उनके पति को दूसरी जिंदगी मिल गई हो।

बाढ़ में 5,300 से ज्यादा लोग लापता, 1,282 की मौत

नेपाल में बाढ़ और इसके बाद बने हालात ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। अब तक 5,300 से ज्यादा लोगों के लापता होने की जानकारी है, जबकि 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है। राहत और बचाव दलों ने अब तक 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है। प्रभावित इलाकों में लापता लोगों की तलाश का अभियान लगातार जारी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी और पहचान का काम भी जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव बरामद किए गए हैं। अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान हो चुकी है। प्रशासन और बचाव दल एक ओर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर बरामद शवों की पहचान कर उन्हें परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी जारी है। त्रिशूली-3A सुरंग से दो मजदूरों का जिंदा बाहर आना ऐसे समय में हुआ है, जब बाढ़ के नौ दिन बाद भी बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। इस रेस्क्यू ने सुरंग में फंसे अन्य लोगों के सुरक्षित मिलने की उम्मीद भी बढ़ा दी है।

सोना फिर चढ़ा: 10 ग्राम 24 कैरेट के दाम में 967 की तेजी, 1.55 लाख रुपए पहुंचा भाव

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। सोने-चांदी की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 967 रुपए बढ़कर 1.55 लाख रुपए हो गया। वहीं चांदी की कीमत में भी जोरदार तेजी रही। एक किलो चांदी 2,923 रुपए महंगी होकर 2,35,456 रुपए पर पहुंच गई। 2026 में अब तक सोने की कीमत में करीब 22 हजार रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने का भाव 1.33 लाख रुपए था, जो अब बढ़कर 1.55 लाख रुपए हो गया है। चांदी भी साल की शुरुआत के मुकाबले महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी 2.30 लाख रुपए थी, जो अब 2.35 लाख रुपए के पार पहुंच गई है। हालांकि इस दौरान दोनों धातुओं ने अपने रिकॉर्ड स्तर भी बनाए। 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए प्रति किलो का ऑलटाइम हाई बनाया था।

शिक्षक दिवस पर राजस्थान के दो शिक्षकों को मिलेगा नेशनल टीचर्स अवॉर्ड, बच्चों ने खोजे 12 क्षुद्र ग्रह

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। शिक्षक दिवस पर राजस्थान के लिए गौरव का मौका होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजस्थान के दो शिक्षकों को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड से सम्मानित करेंगी। इनमें झालावाड़ जिले के पचपहाड़ स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल के जीव विज्ञान शिक्षक दिव्येंदु सेन और जयपुर के चाकसू क्षेत्र के टूमली का बास स्कूल की गणित-विज्ञान शिक्षिका डॉ. वर्तिका गुलाटी शामिल हैं। दोनों शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल नवाचार के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है।

दिव्येंदु सेन ने सरकारी स्कूल के बच्चों को पढ़ाई के साथ खगोलीय गतिविधियों से जोड़ा। उन्होंने विद्यार्थियों को एस्ट्रोनॉमी से जुड़े सॉफ्टवेयर चलाने की ट्रेनिंग दी और बच्चों के साथ मिलकर 12 नए क्षुद्र ग्रहों की खोज की। इसके अलावा उन्होंने करीब दो साल पहले 'ट्री टॉक' की शुरुआत की। इसके तहत स्कूल परिसर में मौजूद 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। कोई भी व्यक्ति क्यूआर कोड स्कैन करने पर संबंधित पेड़ का वैज्ञानिक नाम, औषधीय महत्व और पारिस्थितिक उपयोग की जानकारी ऑडियो के जरिए सुन सकता है।

खास बात यह है कि इस डिजिटल पहल में स्थानीय भाषा और बोलियों को भी जगह दी गई। दिव्येंदु सेन के अनुसार कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के साथ कलेक्टर अजय सिंह राठौर, एसडीएम, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल स्टाफ ने हाड़ौती व मालवी बोलियों में पेड़ों से जुड़ी जानकारी की आवाज रिकॉर्ड की है।

संपादकीय : साख पर सवाल

इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि देश की चुनाव प्रक्रिया में सिर्फ वैध मतदा को ही मतदान करने का अधिकार मिले। साथ ही संबंधित क्षेत्र की मतदाता सूची में वैसे लोगों के नाम हटा दिए जाएं, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर वे वहां से स्थायी रूप से विस्थापित हो गए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का उद्देश्य यही बताया गया है कि इस अभियान के जरिए वैध और पात्र मतदाताओं के वोट देने का हक सुनिश्चित किया जाएगा। सवाल है कि इस अभियान के दौरान अगर गलत तरीके से मतदाताओं के नाम सूची से हटाने की कोशिश भी हो रही है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा ? झारखंड के गोड़ा जिले में जिस तरह कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए परिपत्र-7 के दुरुपयोग का प्रयास सामने आया है, उससे एक बार फिर एसआइआर प्रक्रिया की शुचिता कठघरे में खड़ी हुई है। इससे पहले भी अलग-अलग कारणों से एसआईआर के जरिए बेलगाम तरीके से मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के आरोप लगते रहे हैं। यह अपने आप में विचित्र है कि निर्वाचन आयोग अपने जिस अभियान को केवल वैध मतदाताओं के मतदान का हक सुनिश्चित करने का जरिया बता रहा है, उसी में ऐसे अनेक उदाहरण सामने आ रहे हैं, जिनमें गलत तरीके से सूची से नाम हटाए जाने के आरोप लगे हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पहले जो एसआइआर की प्रक्रिया संचालित की गई थी, उसमें लाखों लोग मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए। जब विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो उसके बाद अपीलीय न्यायाधिकरणों के जरिए इसका समाधान निकालने की कोशिश की गई। अब अपील और उसके बाद जैसी तस्वीर उभर रही है, उसने एक तरह से निर्वाचन आयोग के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दरअसल, हाल ही में आई खबर के मुताबिक, शुरुआती दौर में ही न्यायाधिकरणों में सूची से हटाए जाने के जितने मामले पहुंचे, उनमें से 91 फीसद लोगों के मताधिकार को वैध पाया गया और उनका नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किया गया। इस बीच राज्य में विधानसभा चुनाव हुए और सूची में दोबारा शामिल होने के बावजूद ऐसे लोग वोट नहीं दे सके। सवाल है कि इस सबकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? झारखंड और पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यकर्ताओं पर वैसे मतदाताओं के भी नाम हटवाने के लिए सुनियोजित तरीके से परिपत्र -7 का बेजा इस्तेमाल करने के आरोप सामने आए, जो अपने पते पर मौजूद थे। झारखंड के गोड़ में बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ ने कुछ लोगों की ओर से दिए गए परिपत्र - 7 पर सवाल उठाए और कहा कि जिनका नाम हटाने के लिए 'पते पर मौजूद नहीं' या 'स्थानांतरित' की श्रेणी के तहत यह आवेदन दिया जा रहा है, वे लोग लंबे समय से अपने पते पर रह रहे हैं और वैध मतदाता हैं। अब इस बात की क्या गारंटी है कि समूची एसआईआर की प्रक्रिया में अलग-अलग राज्यों में ऐसा बड़े पैमाने पर नहीं किया गया होगा। क्या यही वजह नहीं है कि पश्चिम बंगाल में अपीलीय न्यायाधिकरणों में तकरीबन 91 फीसद लोगों के नाम को फिर से मतदाता सूची में शामिल करना पड़ा ? यह समूचा मामला दरअसल निर्वाचन आयोग की साख पर सवाल उठाता है, जिसकी लापरवाही की वजह से न जाने कितने लोग मतदाता सूची से बाहर हुए और उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित होना पड़ा।

मनमानी का चेहरा

बीते अप्रैल में नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार की गई दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला यह बताने के लिए काफी है कि पुलिस महकमा अपने दायित्वों को लेकर किस हद तक गैरजिम्मेदार है। बिना किसी ठोस आधार के छात्रा को गिरफ्तार किया गया, उसे बिना किसी के तहत स्पष्ट आधार के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी रासुका महीनों जेल में रखा गया। जबकि अदालत में पुलिस छात्रा के विरुद्ध कोई भी ठोस सबूत पेश नहीं कर पाई। जाहिर है, यह पुलिस की कार्यशैली, लापरवाही और मनमानी का एक और उदाहरण है। इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने पाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'मनगढ़ंत कहानी' के आधार पर छात्रा को पांच महीने से हिरासत में रखा गया है। छात्रा की गिरफ्तारी और रासुका के तहत नोटिस जारी करने के क्रम में कई प्रक्रियागत खामियां भी सामने आईं। अदालत ने नोएडा के जिलाधिकारी को उन्हें पांच लाख रुपए का मुआवजा देने को भी कहा। अदालत का यह फैसला दरअसल पुलिस की कार्यशैली और जांच करने के उसके तौर-तरीके पर सवालिया निशान है इसमें दोराय नहीं कि बिना किसी पुख्ता सबूत के किसी पर भी रासुका लगाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। रासुका देश की सुरक्षा से संबंधित एक संवेदनशील कानून है और इसे नागरिकों के भीतर डर पैदा करने का औजार नहीं बनाया जाना चाहिए । विचित्र बात है कि कानून व्यवस्था कायम रखने की सामान्य स्थितियों में भी इसे बिना सोचे-समझे किसी निर्दोष पर लगा दिया जाता है। इस संबंध में अदालत ने जो टिप्पणियां की हैं, उससे यह सवाल खड़ा हुआ है कि इस तरह का कठोर कदम उठाने से पहले क्या पुलिस अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करती और क्या वह किसी परोक्ष निर्देश पर काम कर रही होती है? भारत एक लेकतांत्रिक देश है और यहां किसी मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन तथा आंदोलन कोई नई बात नहीं । मंगर इस दौरान कार्यकर्ताओं श्रमिकों और विद्यार्थियों के खिलाफ भी पुलिस का जैसा रवैया देखने में आ रहा है, वह प्रकारांतर से असहमति को दबाने का ही प्रयास है।

साफ हुई उदयपुर की चुनावी तस्वीर, 80 वार्डों में 220 प्रत्याशी; 39 में सीधा भाजपा-कांग्रेस मुकाबला, 41 में त्रिकोणीय से बहुकोणीय संघर्ष, 13 बागी अब भी मैदान में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निकाय चुनाव-2026 में नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों में चुनावी मुकाबले की तस्वीर अब पूरी तरह सामने आ गई है। 52 प्रत्याशियों के नाम वापस लेने के बाद कुल 220 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। इनमें 39 वार्ड ऐसे हैं, जहां भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला होगा, जबकि 41 वार्डों में दोनों प्रमुख दलों के साथ अन्य दलों अथवा निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी ने मुकाबले को बहुकोणीय बना दिया है। नाम वापसी के बावजूद दोनों प्रमुख दलों के भीतर बगावत का असर भी चुनावी मैदान में दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस के कुल 13 बागी प्रत्याशी अब भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें कांग्रेस के 12 और भाजपा की एक बागी प्रत्याशी शामिल हैं। ऐसे वार्डों में अधिकृत प्रत्याशियों के सामने अपने ही दल से जुड़े बागियों की चुनौती भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

52 नाम वापस हुए, 220 प्रत्याशी मैदान में

जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल के अनुसार नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान 333 प्रत्याशियों ने कुल 379 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा के दौरान 74 पत्र निरस्त कर दिए गए। इसके बाद 272 वैध नामांकन पत्र बचे थे। नाम वापसी की अंतिम तारीख पर 52 प्रत्याशियों के मैदान छोड़ने के बाद अब 220 प्रत्याशी चुनावी मुकाबले में हैं। अन्य दलों में माकपा के 3, भारतीय आदिवासी पार्टी के 9, बसपा के 3 और आम आदमी पार्टी का 1 प्रत्याशी मैदान में बताया गया है। इसके अलावा 43 निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव लड़ रहे हैं।

कई वार्डों में बदले समीकरण

नाम वापसी के बाद सामने आई सूची में कई वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है, जबकि कुछ वार्डों में तीसरे प्रत्याशी की मौजूदगी मुकाबले को रोचक बना रही है। वार्ड 8 में भाजपा की शम्मा परवीन और कांग्रेस की रुखसार खान के साथ नाजमीन तथा कौसर परवीन मैदान में हैं। वार्ड 12 में बाबूलाल नागौरी और यशवंत जोशी के सामने कई अन्य प्रत्याशी हैं। इसी तरह वार्ड 31 में भाजपा की नसरीन बानो और कांग्रेस की हीना कौसर बानो के साथ अन्य प्रत्याशी भी चुनावी मैदान में हैं। आदिवासी क्षेत्र से जुड़े वार्डों में भारतीय आदिवासी पार्टी की मौजूदगी दिखाई दे रही है। वार्ड 41 से 43 तक भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के साथ बाप के उम्मीदवार भी मुकाबले में हैं। वार्ड 70 में भी भाजपा की विरेन्द्र सिंह सिसोदिया और कांग्रेस की क्षिप्रा उपाध्याय के सामने बाप के अरशद अयूब शेख चुनाव लड़ रहे हैं।

80 वार्डों में ये प्रत्याशी आमने-सामने

वार्ड	भाजपा	कांग्रेस	अन्य प्रत्याशी
1	दीपक शर्मा	संजय शर्मा	खुशवंत शर्मा
2	लक्ष्मण माली	हर्षवर्धन केलावत	प्रताप सिंह खारीवाल
3	गिरीश श्रीमाली	अरुण टांक	भूपेंद्र जीनगर
4	संध्या सेठी	स्नेहलता टाक	-
5	आकाश वागरेचा	रवि सुखवाल	-
6	दलपत सोनी	अजीत चौधरी	-
7	गजेन्द्र चौहान	शंकर चंदेल	-
8	शम्मा परवीन	रुखसार खान	नाजमीन, कौसर परवीन
9	मीना बंधु हर्ष पंवार	खेमशंकर यादव	
10	सतीश शर्मा	राजेंद्र शर्मा	साकिब
11	भंवर लाल गायरी	धर्मेश प्रजापत	कमलेश बोराणा, जगदीश पुरी गोस्वामी
12	बाबूलाल नागौरी	यशवंत जोशी	हितेश कोठारी, यशवंत सांवरिया, मुजफ्फर हुसैन, यतेंद्र दाधीच, जितेंद्र जोशी
13	रतन बाई ऊषा	गमेती	संतोष कटारा
14	शंकर लाल कंसारा	सिद्धार्थ सोनी	विजय शंकर कुमावत
15	कैलाश सोनी	प्रतीक नागर	यशवंत कुमार वैष्णव
16	सुमित्रा नागदा	राममूर्ति धाबाई	मंजु कुंवर राठौड़
17	मीना चौहान	डॉ. पूनम राठौड़	-
18	कुलदीप मेहता	मिथेश वैष्णव	-
19	कुंदन चौहान	राघव चपलोत	-
20	मोहम्मद शफीक	साजिद खान	-
21	भेरूलाल भोई	राहुल माली	-
22	हरीश कुमावत	हिदायतुल्ला	-
23	मनोज साहू	चेतन लोहार	-
24	पारस सिंघवी	दीपिका कुमावत	-
25	लोकेश साहू	नेहा कुमावत	दौलतराम साहू
26	राजेन्द्र परिहार	राजेश खत्री	-
27	निधि गोधा	ऋतु मेहता	-
28	विजय आहूजा	महिमा चुग	-
29	वैभव भंडारी	नीना अग्रवाल	-
30	माधुरी राठौड़	रोहित मेघवाल	रानू सालवी
31	नसरीन बानो	हीना कौसर बानो	रूबिना फारूक कुरैशी, साजिदा, मुस्कान राही
32	कमलेश सालवी	लोकेश मेघवाल	राजेंद्र वसीटा
33	जतिन श्रीमाली	दीपक जैन	-
34	अलका गुर्जर	प्रेरणा सुहालका	सज्जन कुंवर
35	मीनल कंठालिया (पोखरना)	शालिनी पाराशर	-
36	डिंपल कुंवर	अनु मेघवाल	-
37	प्रकाश मेघवाल	लक्ष्मी नारायण मेघवाल	
38	प्रज्ञा पाटीदार	मीना बानो	-
39	जितेन्द्र सिंह शक्तावत	अनिल जोशी	-
40	सुमन अग्रवाल	दीपिका भोजक	-
41	सोहनलाल गमेती	मेघराज गमेती	चमनलाल
42	लीला गमेती	डॉ. खुशी गमेती	हेमलता गमेती
43	रमेश गमेती	शंकर गमेती	शांतिलाल गमेती
44	आशीष कोठारी	दिनेश चंद्र चौबीसा	-
45	दिनेश भट्ट पंकज सुखवाल	तारादेवी चौधरी	
46	तिलक मेनारिया	कुलदीप माली	-
47	लता नायक	शांता देवी '	
48	महेशपुरी गोस्वामी	नानालाल सुथार	-
49	दीपक नागदा	श्याम सुंदर गुर्जर	-
50	किरण जैन	युवराज सिंह झाला	-
51	प्रमोद सामर	गजेंद्र सिंह शक्तावत	दीपक चौधरी, सुशील कुमार
52	तारा सुहालका	वनीता चोरड़िया	-
53	यंशवत आंचलिया	मनोज भराडिया	लक्ष्मण
54	राजेन्द्र गखरेजा	अमित श्रीवास्तव	देवेन्द्र माली, हार्दिक चौर्डिया
55	विशाखा खवास	जेसिका राव	-
56	प्रदीप विजयवर्गीय	प्रियंका गर्ग	आशीष सहीवाला
57	निर्मला पालीवाल	प्रेम देवी गुर्जर	गीता सुहालका
58	अमिता गौड	मीराबाई डांगी	चंद्रबिंदु कुंवर सांखला
59	सारिका सालवी	विनिया सालविया	अनिता हरीजन, कंकूबाई कालबेलिया
60	सुषमा राणावत	प्रेमलता पालीवाल	खुशबु मेहता, मीरा कुंवर सखी किन्नर, पूजा
61	लीला डांगी	सीमा डांगी	इंद्रा डांगी, दीपिका पटेल
62	इन्द्रा गमेती	सविता गमेती	मंजू गमेती
63	किशोर सिंह देवड़ा	ईश्वर सिंह	अजय सिंह देवड़ा
64	अशोक नागदा	जोगेंद्र सिंह	दीपक व्यास
65	नारायण लाल गमेती	किशन भील	श्रीपाल मीणा
66	उमेश मनवानी	सत्येंद्र चौधरी	संजय भगतानी
67	निशा सालवी	मैना देवी सालवी	-
68	वंदना प्रजापत	शेफाली साहू	-
69	रचना शर्मा	किरण पालीवाल	-
70	वीरेन्द्र सिंह सिसोदिया	क्षिप्रा उपाध्याय	अरशद अयूब शेख
71	योगेश कुमावत	रामचंद्र टेलर	भैरूलाल सुथार
72	नरेश वैष्णव	देवीलाल चौधरी	-
73	लवली जैन	डॉ. हितांशी शर्मा	दीपिका सुथार, शमीम बानो, स्नेहलता शर्मा
74	पंकज बोराणा	मीठालाल डांगी	-
75	महेन्द्र सिंह शेखावत	तुलसीराम लोहार	मांगीलाल राठौड़, मोहम्मद शरीफ, सुरेंद्र सिंह दुलावत
76	डॉ. कविता जोशी	इंदिरा डांगी	-
77	दुर्गालाल गमेती	भीमशंकर भील	इंद्रलाल गमेती, पप्पु गमेती
78	अतुल चंडालिया	रमेश डांगी	-
79	संतोष मीणा	बाबूलाल गमेती	रामलाल गमेती
80	प्रताप सिंह राठौड़	योगेश पुष्करणा	-

महिला के ब्लाइंड मर्डर का 6 घंटे में खुलासा: झाड़ियों में गलत काम करते देखा तो ओढ़नी से घोंटा गला; पुलिस ने मुख्य आरोपी व नाबालिग को किया डिटेन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 04 सितंबर। अजमेर जिले के अरांई थाना क्षेत्र के छोटालांबा गांव में हुई महिला के ब्लाइंड मर्डर के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज 6 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। ज्वार के खेत में आपत्तिजनक हालत में देखकर टोकने पर आरोपी और उसकी नाबालिग साथी ने बदनामी के डर से महिला की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शंकरलाल बैरवा (25) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल एक नाबालिग बालिका को निरुद्ध किया है।

कुएं में मिला था महिला का शव, गले पर थे कसने के निशान

घटनाक्रम के अनुसार गुरुवार को अरांई पुलिस को सूचना मिली कि बोराड़ा रोड स्थित एक कुएं में महिला का शव तैर रहा है। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया, जिसकी पहचान छोटालांबा निवासी सोनी देवी (38) पत्नी बजरंग लाल बैरवा के रूप में हुई। मृतका के गले पर ओढ़नी का फंदा कसने और सिर पर चोट के निशान मिलने से मामला हत्या का प्रतीत हुआ।

राजकीय यज्ञनारायण चिकित्सालय किशनगढ़ में मेडिकल बोर्ड से कराए गए पोस्टमार्टम में डॉक्टरों ने गला घोंटने से मौत की पुष्टि की। इसके बाद मृतका के पति की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। संदिग्ध हरकतों और गले के निशान से खुला राज मामले की गंभीरता को देखते हुए अजमेर रेंज आईजी डॉ. रवि, एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला और एएसपी ग्रामीण लालचंद कायल के निर्देश पर सीओ किशनगढ़ आयुष वशिष्ठ के सुपरविजन में थानाधिकारी राजमल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। एफएसएल और एमओबी टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने जब आसपास के खेतों में काम करने वाले लोगों से पूछताछ की, तो स्थानीय निवासी शंकरलाल बैरवा घबरा गया और मनगढ़ंत कहानियां गढ़ने लगा। गहनता से निरीक्षण करने पर पुलिस की नजर शंकर के गले पर बने झपट्टे (खरोंच) के निशानों पर पड़ी। सही जवाब न दे पाने पर जब मनोवैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ की गई, तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

बदनामी के डर से की हत्या, शव कुएं में फेंका

पूछताछ में सामने आया कि बुधवार 2 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे आरोपी शंकरलाल बैरवा बाड़े के पास अपने ज्वार के खेत में एक पूर्व परिचित नाबालिग बालिका के साथ मौजूद था। इसी दौरान पास के खेत से पशुओं के लिए चारा लेकर गुजर रही सोनी देवी ने उन्हें इस स्थिति में देख लिया और डांट-डपट की।

बदनामी होने के डर से दोनों ने मिलकर ज्वार के खेत में ही सोनी देवी की ओढ़नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने बालिका को घर भेज दिया और अंधेरा होने पर शव को पास के कुएं में फेंक दिया। खुद को निर्दोष साबित करने के लिए शातिर आरोपी दिनभर परिजनों के साथ मिलकर मृतका की तलाश करने का नाटक करता रहा।

हालांकि शव मिलने के बाद पकड़े जाने के डर से वह गांव छोड़कर भागने की फिराक में था, लेकिन अरांई, बोराड़ा, किशनगढ़ और बांदरसिंदरी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से कानून के शिकंजे में आ गया। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अग्रिम अनुसंधान कर रही है।

सीसीटीवी में गोली चलाते दिखे बदमाश, बोतलें भी फेंकी, गांधी नगर में आधी रात हुई वारदात| बदमाशों ने दो जगह की फायरिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में अपराधियों के हौसले एक बार फिर पुलिस के लिए चुनौती बनते नजर आ रहे हैं। अंबामाता थाना क्षेत्र का गांधी नगर इलाका देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। रात करीब सवा एक बजे मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात बदमाशों ने अलग-अलग दो ठिकानों पर पहुंचकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इतना ही नहीं, बदमाशों ने सड़क पर बीयर की बोतलें फोड़कर जमकर हुड़दंग मचाया। अचानक हुई इस वारदात से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई। सारी वारदाता वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कैमरे में अपराधियों के चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। वारदात के पीछे स्थानीय स्तर पर बड़ा मेवाती और उसके गिरोह का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस और प्रशासन की ओर से इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हमलावरों की पहचान और उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। खास बात यह है कि झील नगरी में एक महीने में फायरिंग की यह चौथी घटना सामने आई है। थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर बड़ा मेवाती ने अपने साथी के साथ अरबाज नाम के युवक के घर पर फायरिंग की। दोनों में आपसी रंजिश है और इससे पहले भी इनका झगड़ा हो चुका है।

घर में घुसकर परिवार से मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप, 10 लोगों पर केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहनगर थाना क्षेत्र के लदाना गांव में घर में घुसकर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने और तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। सुशीला पत्नी भगवानलाल जोगी, निवासी लदाना ने इस संबंध में फतहनगर थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार 1 सितंबर 2026 की रात करीब 12.30 बजे आरोपी लाठी-डंडे और पत्थर लेकर उसके घर में घुस आए। परिवादिया ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे, उसकी पुत्रियों और परिवार के अन्य सदस्यों को जान से मारने की नीयत से 8-9 लोगों ने लाठी-डंडों तथा लात-घूंसों से मारपीट की। आरोपियों ने घर में तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2), 126(2), 125, 324(2), 190 और 191(2) के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में किशन पुत्र नाना, रूपलाल पुत्र नाना, शंकर पुत्र किशन, लीला पत्नी भोलीराम निवासी पोटला तथा प्रेमी पत्नी किशन सहित करीब 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। अन्य आरोपी लोपड़ा निवासी बताए गए हैं। मामले की जांच हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार कर रहे हैं।

फतहनगर रेलवे स्टेशन से युवक की मोटरसाइकिल चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहनगर रेलवे स्टेशन से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। वासनी कला गारियावास, तहसील मावली निवासी प्रकाश पुरी पिता ओम पुरी ने फतहनगर थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी ने अपनी मोटरसाइकिल 25 अगस्त को फतहनगर रेलवे स्टेशन पर खड़ी की थी। करीब 3:30 बजे सुबह जब उसने मोटरसाइकिल संभाली तो वह मौके पर नहीं मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। चोरी गई मोटरसाइकिल और आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक जगन प्रसाद कर रहे हैं।

आयड़ की लोहार कॉलोनी से वाहन चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र की आयड़ स्थित लोहार कॉलोनी से वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है। लोहार कॉलोनी, आयड़ निवासी मोहम्मद आरिफ पिता मो. हनीफ ने थाने में लिखित रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार 3 जून को अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी का वाहन चोरी कर ले गया। काफी तलाश के बावजूद वाहन का पता नहीं चलने पर प्रार्थी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अज्ञात आरोपी और चोरी गए वाहन की तलाश में जुटी है। मामले की जांच हैड कांस्टेबल गंगाविशन कर रहे हैं।

सेलिब्रेशन मॉल से मोटर साइकिल चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र स्थित सेलिब्रेशन मॉल से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। सबलपुरा निवासी मनीष पटेल पिता किशनलाल पटेल ने सुखेर थाने में लिखित रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी की मोटरसाइकिल 26 अगस्त 2026 को सेलिब्रेशन मॉल में खड़ी थी। दोपहर करीब 12:48 बजे अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। प्रार्थी को घटना की जानकारी मिलने पर आसपास तलाश की गई, लेकिन मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अज्ञात आरोपी और चोरी गई मोटरसाइकिल की तलाश कर रही है। मामले की जांच महिला हैड कांस्टेबल सम्पती कर रही हैं।

जमीन में घुसकर पेड़ काटने और महिला से मारपीट का आरोप, तीन के खिलाफ एफआईआर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र के मन्देसर गांव में जमीन में बिना अनुमति प्रवेश कर पेड़ काटने और महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मन्देसर निवासी मुरलीधर नागदा पिता डालचन्द नागदा ने न्यायालय से इस्तगा के जरिए डबोक थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने प्रार्थी की जमीन में बिना अनुमति प्रवेश किया और वहां पेड़ काट लिया। प्रार्थी का आरोप है कि इस दौरान उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई। घटना की अवधि 12 अप्रैल 2026 से 29 मई 2026 के बीच बताई गई है। पुलिस ने इस्तगासे के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 329(3), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण में कैलाशचन्द्र नागदा पिता डालचन्द नागदा, सीता नागदा पत्नी कैलाशचन्द्र नागदा और कृष्णकान्त नागदा पिता कैलाशचन्द्र नागदा, सभी निवासी मन्देसर, थाना डबोक को आरोपी बनाया गया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक लालचन्द कर रहे हैं।

राडाजी चौराहे से बजाज पल्सर मोटरसाइकिल चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अम्बामाता थाना क्षेत्र के राडाजी चौराहे से बजाज पल्सर मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। भीण्डर निवासी और हाल उत्तरी आयड़ के कौठारियों का मोहल्ला निवासी श्यामसुन्दर चौबीसा ने थाने में लिखित रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी ने अपनी बजाज पल्सर मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन नंबर आरजे 27 एसएक्स 5525 को राडाजी चौराहे पर खड़ा किया था। 31 अगस्त 2026 की शाम करीब 6:30 बजे अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। आसपास तलाश करने के बावजूद वाहन का पता नहीं चला। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। चोरी गई मोटरसाइकिल और अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक जगदीश प्रजापत कर रहे हैं।

धोखाधड़ी के मामले में दो लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पानेरियों की मादड़ी, घाटी की मगरी निवासी विशाल मेनारिया पुत्र सुरेश मेनारिया ने न्यायालय के माध्यम से भूपालपुरा थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार परिवादी ने आरोप लगाया कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई। मामले में न्यू आदर्श नगर, सेन्ट्रल एरिया, गायरियावास निवासी पूजा साहू पुत्री चन्द्रशेखर साहू और रौनक साहू पुत्र चन्द्रशेखर साहू को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने न्यायालय से प्राप्त इस्तगासे के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं 420, 406 और 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक भगवतीलाल कर रहे हैं।

कोटा से लापता 3 नाबालिग चित्तौड़गढ़ में मिले, बस स्टैंड पर कचरा बीनते मिले बच्चे

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। मानव तस्करी विरोधी यूनिट चित्तौड़गढ़ ने कार्रवाई करते हुए कोटा शहर से अपहृत तीन नाबालिग बालकों को दस्तयाब किया है। तीनों बच्चे चित्तौड़गढ़ के पन्नाधाय प्राइवेट बस स्टैंड पर कचरा बीनते हुए मिले। पुलिस ने पूछताछ और तस्दीक के बाद तीनों को संरक्षण में लेकर नियमानुसार कार्रवाई के लिए मानव तस्करी विरोधी यूनिट कोटा के सुपुर्द कर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, 20 अगस्त 2026 को कोटा शहर के आर.के. पुरम थाना क्षेत्र से पांच नाबालिग बालक लापता हुए थे। मामले में आर.के. पुरम थाने में प्रकरण दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू की गई थी। कोटा पुलिस और मानव तस्करी विरोधी यूनिट लगातार बच्चों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान चित्तौड़गढ़ मानव तस्करी विरोधी यूनिट को भी बच्चों के संबंध में सूचना मिली। 3 सितंबर को प्रभारी पुलिस निरीक्षक सुनीता गुर्जर के निर्देश पर टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल, अनाथालय सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर तलाश अभियान चलाया। तलाश के दौरान टीम को पन्नाधाय प्राइवेट बस स्टैंड के अंदर तीन नाबालिग बच्चे कचरा बीनते हुए दिखाई दिए। पूछताछ और पहचान की पुष्टि के बाद तीनों बच्चों को संरक्षण में लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बच्चे करीब 15 दिनों से चित्तौड़गढ़ में रहकर कचरा बीन रहे थे। बच्चों को मानव तस्करी विरोधी यूनिट कोटा के एएसआई केशव सिंह, सहायक उप निरीक्षक श्योजीराम के सुपुर्द किया गया है। अब मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई करने वाली टीम: मानव तस्करी विरोधी यूनिट चित्तौड़गढ़ के एएसआई नटवर पटवा, हेड कांस्टेबल पुखराज सिंह और थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़ के एएसआई हरवीर सिंह शामिल रहे।

खिलौने बेचने वाले मुकेश ने फिर दिखाई इंसानियत, फतेहसागर में छलांग लगाकर बचाई युवती की जान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतेहसागर की पाल पर रोज खिलौने बेचकर परिवार का गुजारा करने वाले मुकेश ने एक बार फिर अपनी बहादुरी और इंसानियत का परिचय दिया। शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे एक युवती अचानक झील के गहरे पानी में डूबने लगी। युवती को डूबता देख वहां मौजूद मुकेश ने बिना देर किए झील में छलांग लगा दी और अपनी सूझबूझ से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मुकेश की खास बात यह है कि वह फतेहसागर की पाल पर खिलौने बेचने के साथ-साथ झील में होने वाली घटनाओं को लेकर भी सतर्क रहता है। इसी वजह से वह अपने पास हवा भरा ट्यूब, टायर और रस्सी जैसी चीजें रखता है, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी की मदद की जा सके। शुक्रवार को भी युवती के डूबने की सूचना मिलते ही उसने तत्काल बचाव का प्रयास शुरू कर दिया। मुकेश के समय पर उठाए गए कदम से युवती की जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मुकेश की बहादुरी की सराहना की।

अब तक 7-8 लोगों की बचा चुका जान

यह पहली बार नहीं है जब मुकेश ने फतेहसागर में किसी की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली हो। वह अब तक करीब 7 से 8 लोगों को डूबने से बचा चुका है। उसकी इस निस्वार्थ सेवा और साहस के लिए उसे पहले जिला स्तर पर सम्मानित भी किया जा चुका है। मुकेश का कहना है कि फतेहसागर पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में किसी को मुसीबत में देखकर मदद करना उसका फर्ज है। शुक्रवार की घटना में भी उसने यह नहीं सोचा कि पानी कितना गहरा है, बस युवती को बचाने के लिए तुरंत झील में उतर गया। मुकेश की कहानी यह बताती है कि इंसानियत किसी पद, पहचान या बड़े साधन की मोहताज नहीं होती। जरूरत के वक्त उठाया गया एक साहसी कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है।

मंदिर में प्रसादी को लेकर सामाजिक बहिष्कार का आरोप, 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा थाना क्षेत्र के नेतावतो की भागल भूताला में भेरुजी बावजी मंदिर में प्रसादी के आयोजन को लेकर सामाजिक बहिष्कार और आने-जाने पर रोक लगाने का मामला सामने आया है। नेतावतो की भागल निवासी गणेशसिंह राजपूत ने गोगुंदा थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी ने स्थानीय क्षेत्र में स्थित भेरुजी बावजी के मंदिर में प्रसादी का आयोजन किया था। आरोप है कि प्रसादी के आयोजन को लेकर अभियुक्तों ने पंचायत बुलाई और गांव वालों से पूछे बिना प्रसादी करने का आरोप लगाते हुए प्रार्थी और उसके भाई का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। इसके साथ ही दोनों के कहीं भी आने-जाने पर रोक लगाने का भी आरोप लगाया गया है। मामले में किशोर सिंह पुत्र मानसिंह और तेज सिंह पुत्र उदयसिंह सहित करीब 9 लोगों को आरोपी बनाया गया है। दोनों आरोपी नेतावतो की भागल, थाना गोगुंदा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 191(2), 191(3), 190, 61(2), 115(2), 308(2), 352 तथा 351(2), 351(3) के साथ सामाजिक बहिष्कार से व्यक्तियों के संरक्षण अधिनियम, 2016 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक विनेश कुमार कर रहे हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

चुनाव चिन्ह आज मिला, प्रचार में बचे 6 दिन, किसी के भाग्य में आई 'अलमारी' तो किसी के चप्पल, किसी के चारपाई तो किसी के मिर्ची!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। चुनावी मैदान में उतरने के बाद प्रत्याशी अब तक नाम और चेहरे के सहारे मतदाताओं तक पहुंच रहे थे। शुक्रवार को उन्हें चुनाव चिन्ह भी मिल गए, लेकिन इसके साथ एक नई चुनौती भी सामने आ गई है। मतदान में अब सिर्फ 6 दिन बाकी हैं। ऐसे में निर्दलीय प्रत्याशियों को कम समय में अपना नाम, चेहरा और चुनाव चिन्ह मतदाताओं तक पहुंचाना होगा। किसी को अलमारी मिली है तो किसी को बांसुरी, सेब, सिलाई मशीन, चप्पल और चारपाई। अब अगले छह दिन में प्रत्याशियों को यही समझाना होगा कि ईवीएम पर उनका निशान कौन सा है। नगर निगम चुनाव-2026 में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को जिला निर्वाचन विभाग ने निर्दलीय एवं अन्य दलों के प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए। उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों में अब कुल 220 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें 39 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि 41 वार्डों में भाजपा-कांग्रेस के अलावा बीएपी, माकपा, बसपा, आप और निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी से मुकाबला बहुकोणीय हो गया है। गुरुवार को नाम वापसी के अंतिम दिन 52 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए थे। इसके बाद भी भाजपा-कांग्रेस के 13 बागी प्रत्याशी मैदान में डटे हुए हैं। इनमें कांग्रेस के 12 और भाजपा की एक बागी प्रत्याशी शामिल हैं। ऐसे प्रत्याशियों के लिए अपने अलग चुनाव चिन्ह की पहचान मतदाताओं तक पहुंचाना खास चुनौती होगी, क्योंकि उनके सामने संबंधित पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी अपने पारंपरिक चुनाव चिन्ह के साथ मैदान में हैं।

चुनाव चिन्हों में इस बार अलमारी सबसे ज्यादा नजर आ रही है। वार्ड 1 में खुशवंत शर्मा, वार्ड 2 में प्रताप सिंह खारीवाल, वार्ड 3 में भूपेंद्र जीनगर, वार्ड 11 में कमलेश बोराणा, वार्ड 12 में हितेश कोठारी, वार्ड 45 में तारादेवी चौधरी, वार्ड 51 में सुशील कुमार, वार्ड 59 में कंकूबाई कालबेलिया, वार्ड 66 में संजय भगतानी, वार्ड 71 में भैरूलाल सुथार, वार्ड 73 में स्नेहलता शर्मा, वार्ड 75 में मांगीलाल राठौड़ और वार्ड 77 में इंद्रलाल गमेती को अलमारी का चिन्ह मिला है। चिन्ह आसानी से पहचाने जाने वाला है, लेकिन प्रत्याशियों के सामने चुनौती यह होगी कि मतदाता को यह भी याद रहे कि उसके वार्ड में अलमारी किस प्रत्याशी की है।

बांसुरी का चिन्ह वार्ड 16 की मंजु कुंवर राठौड़, वार्ड 34 की सज्जन कुंवर, वार्ड 56 के आशीष सहीवाला, वार्ड 60 की खुशबु मेहता, वार्ड 61 की दीपिका पटेल और वार्ड 75 के सुरेंद्र सिंह दुलावत को मिला है। इसी तरह सेब का चिन्ह वार्ड 12 के यशवंत सांवरिया, वार्ड 54 के देवेन्द्र माली, वार्ड 60 की मीरा कुंवर सखी किन्नर, वार्ड 63 के अजय सिंह देवड़ा और वार्ड 65 के श्रीपाल मीणा को मिला है।

सिलाई मशीन का चिन्ह वार्ड 14 के विजय शंकर कुमावत, वार्ड 58 की चंद्रबिंदु कुंवर सांखला और वार्ड 73 की शमीम बानो को मिला है। वार्ड 9 के खेमशंकर यादव और वार्ड 12 के यतेंद्र दाधीच को कोट मिला है। वार्ड 11 के जगदीश पुरी गोस्वामी को बक्सा, वार्ड 15 के यशवंत कुमार वैष्णव को बेंच, वार्ड 54 के हार्दिक चौर्डिया को टेलीफोन और वार्ड 57 की गीता सुहालका को आइसक्रीम का चिन्ह मिला है।

वार्ड 8 में कौसर परवीन को हरी मिर्च तथा नाजमीन (बीएपी) को हॉकी और बॉल का चिन्ह दिया गया है। वार्ड 10 के साकिब खान (बीएपी), वार्ड 13 के संतोष कटारा (बीएपी), वार्ड 41 के चमनलाल (बीएपी), वार्ड 42 की हेमलता गमेती (बीएपी), वार्ड 43 के शांतिलाल गमेती (बीएपी), वार्ड 70 के अरशद अयूब शेख (बीएपी) और वार्ड 79 के रामलाल गमेती (बीएपी) को भी हॉकी और बॉल का चिन्ह मिला है। वार्ड 12 के मुजफ्फर हुसैन (बीएपी) को भी यही चिन्ह आवंटित हुआ है।

वार्ड 30 की रानू सालवी (माकपा), वार्ड 31 की मुस्कान राही (माकपा) और वार्ड 32 के राजेंद्र वसीटा (माकपा) को हथौड़ा, हंसिया और सितारा चिन्ह मिला है। वार्ड 25 के दौलतराम साहू (आप) को झाड़ू तथा वार्ड 12 के जितेंद्र जोशी, वार्ड 60 की पूजा और वार्ड 77 के पप्पु गमेती (बसपा) को हाथी का चिन्ह मिला है।

अन्य चिन्हों में वार्ड 31 की रूबिना फारूक कुरैशी को बिजली का खंभा, साजिदा को गैस का चूल्हा, वार्ड 51 के दीपक चौधरी को मोतियों का हार, वार्ड 53 के लक्ष्मण को हाथी, वार्ड 59 की अनिता हरीजन को चप्पलें, वार्ड 61 की इंद्रा डांगी और वार्ड 62 की मंजू गमेती को कैंची, वार्ड 64 के दीपक व्यास को चारपाई, वार्ड 73 की दीपिका सुथार को आरी और वार्ड 75 के मोहम्मद शरीफ को फव्वारा मिला है।

वार्ड 58 में चंद्रबिंदु कुंवर सांखला को सिलाई मशीन, वार्ड 63 में अजय सिंह देवड़ा को सेब और वार्ड 65 में श्रीपाल मीणा को सेब का चिन्ह मिला है। वहीं वार्ड 77 में इंद्रलाल गमेती को अलमारी और पप्पु गमेती को हाथी का चिन्ह दिया गया है।

चुनाव चिन्ह मिलने के बाद अब निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशियों का प्रचार अभियान तेज होगा। उनके सामने कम समय में चुनाव चिन्ह की पहचान बनाने की चुनौती है। भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के चुनाव चिन्ह मतदाताओं के बीच पहले से स्थापित हैं, जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों को अपने नए चिन्ह को नाम और चेहरे के साथ जोड़कर प्रचार करना होगा।

विशेषज्ञों के अनुसार चुनाव चिन्ह की पहचान आसान होना प्रत्याशी के लिए शुरुआती लाभ हो सकता है, लेकिन अंतिम परिणाम केवल चिन्ह से तय नहीं होता। प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, वार्ड में संपर्क, स्थानीय मुद्दे, संगठन, समर्थकों की सक्रियता और मतदाताओं के साथ संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में अगले छह दिन प्रत्याशियों के लिए बेहद अहम होंगे।

नाथद्वारा में जन्माष्टमी का उल्लास, श्रीनाथजी के दरबार में गूंजे कान्हा के जयकारे, आधी रात को होगी 21 तोपों की सलामी

24 न्यूज अपडेट

नाथद्वारा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण के जयकारे गूंज रहे हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालु ठाकुरजी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जन्माष्टमी को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था के साथ प्रवेश, निकासी और वाहनों की पार्किंग में भी बदलाव किया है। शुक्रवार को सभी प्रकार के दर्शन पास और प्रोटोकॉल पास बंद रखे गए हैं।

मंगला दर्शन से जन्माष्टमी का क्रम

जन्माष्टमी पर सुबह करीब 4.45 बजे मंगला पंचामृत दर्शन खुले। इसके बाद सुबह 8 बजे श्रृंगार दर्शन हुए, जो करीब एक घंटे तक चले। दोपहर करीब 12.30 बजे राजभोग दर्शन होंगे। शाम 7.30 बजे भोग-आरती होगी, जो लगभग एक घंटे चलेगी। इसके बाद रात 9.30 बजे जागरण दर्शन खुलेंगे। शाम को रिसाला चौक से शोभायात्रा निकाली जाएगी। जन्माष्टमी के सबसे खास आयोजन के रूप में मध्यरात्रि 12 बजे रिसाला चौक में दो अलग-अलग तोपों से कान्हा के जन्म की खुशी में 21 बार तोपों की सलामी दी जाएगी।

5 सितंबर को नंदोत्सव, दही-छाछ का होगा छिड़काव

श्रीनाथजी मंदिर में 5 सितंबर को नंदोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 7.30 बजे से 11 बजे तक केशरयुक्त दही और छाछ के छिड़काव के दर्शन होंगे। इसके बाद दोपहर 2.15 बजे से राजभोग दर्शन करीब एक घंटे होंगे। शाम 7 बजे उत्थापन दर्शन करीब आधे घंटे चलेंगे, जबकि रात 9 बजे से भोग-आरती के दर्शन करीब एक घंटे प्रस्तावित हैं। मंदिर की सेवा-पूजा की परंपरा और निर्धारित विधि-विधान के चलते दर्शन के समय में आवश्यकता के अनुसार बदलाव किया जा सकता है।

दो दिन किसी भी प्रकार का दर्शन पास नहीं

मंदिर प्रशासनिक समिति के निर्देशानुसार 4 और 5 सितंबर को किसी भी मनोरथी के लिए दर्शन पास जारी नहीं किए जाएंगे। दिनभर के मनोरथ के अलावा राजभोग, मंगल-भोग, शयन-भोग, सामग्री, जीन्स भेंट और अन्य किसी भी मनोरथ से जुड़े दर्शन पास भी इन दो दिनों में बंद रहेंगे। इसी अवधि में किसी भी प्रकार के प्रोटोकॉल दर्शन पास भी जारी नहीं किए जाएंगे। दर्शन पास के क्यूआर कोड की जांच करने वाली मशीन को भी बंद रखा जाएगा।

महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग प्रवेश

जन्माष्टमी और नंदोत्सव को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश मार्ग निर्धारित किए गए हैं। महिलाओं को चौपाटी मंदिर मार्ग से प्रतापमाली गेट होते हुए श्रीनाथजी मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। पुरुष श्रद्धालु चौपाटी मंदिर मार्ग से नक्कारखाना गेट के रास्ते मंदिर में प्रवेश करेंगे। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालुओं की निकासी मोतीमहल से होगी।

नाम वापसी के बाद भाजपा ने कसी कमर, वार्डवार रणनीति पर मंथन; हर मतदाता तक पहुंचने का लक्ष्य

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर, 4 सितंबर। नगर निकाय चुनाव में नाम वापसी के बाद भाजपा ने चुनावी मोर्चा संभालते हुए अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शहर की ओजस्वी वाटिका में वार्ड प्रभारियों, समन्वयकों और चुनाव प्रबंधन टोली की बैठक हुई। इसमें भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी, जिला संगठन प्रभारी मुकेश रावत, निकाय चुनाव प्रभारी तख्त सिंह शक्तावत, विधायक शांता देवी मीणा और मंडल अध्यक्ष विजेश भलवाड़ा ने चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में नाम वापसी के बाद बदले वार्डवार राजनीतिक समीकरणों, प्रत्याशियों की स्थिति और जीत की रणनीति पर फीडबैक लिया गया। संगठन ने निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, आपसी मनमुटाव दूर करने और वार्ड स्तर पर अभियान को मजबूत करने के निर्देश दिए। प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क और प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने की रणनीति पर काम करने को कहा गया। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी ने कहा कि भाजपा चुनाव विकास, विचारधारा और सुशासन के मुद्दे पर लड़ेगी। उन्होंने कांग्रेस के पिछले बोर्ड पर विकास कार्यों में विफल रहने के आरोप लगाए और कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। निकाय चुनाव प्रभारी तख्त सिंह शक्तावत ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आखिरी वोट तक मैदान में डटे रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कमल के निशान वाला प्रत्याशी ही भाजपा का अधिकृत प्रत्याशी है और पार्टी का बोर्ड बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकी जाएगी। विधायक शांता देवी मीणा ने कहा कि सलूंबर के विकास के लिए डबल इंजन सरकार के साथ स्थानीय स्तर पर भी भाजपा का बोर्ड जरूरी है। वहीं जिला संगठन प्रभारी मुकेश रावत ने पन्ना प्रमुखों और बूथ समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री जयेश चौबीसा ने किया, जबकि मंडल अध्यक्ष विजेश भलवाड़ा ने आभार जताया।

छात्रवृत्ति आवेदकों के लिए जरूरी खबर: बायोमेट्रिक की अंतिम तारीख तय, 13,500 से ज्यादा आवेदन लंबित

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 4 सितम्बर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने छात्रवृत्ति पोर्टल पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथियां निर्धारित कर दी हैं। सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों के लिए 15 सितम्बर 2026, जबकि सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए 15 अक्टूबर 2026 अंतिम तिथि तय की गई है। विभाग के अनुसार बायोमेट्रिक के कारण जिन विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन शिक्षण संस्थान स्तर पर लंबित हैं, उन्हें निर्धारित समय सीमा से पहले बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवानी होगी। तय तारीख के बाद बायोमेट्रिक के कारण लंबित आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

जयपुर ग्रामीण में 13,500 से अधिक आवेदन लंबित

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर ग्रामीण के उपनिदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि सत्र 2025-26 के 13,500 से अधिक छात्रवृत्ति आवेदन फिलहाल शिक्षण संस्थान स्तर पर लंबित हैं। इनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के आवेदन शामिल हैं। लंबित आवेदनों के कारण पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। विभाग ने शिक्षण संस्थानों से लंबित आवेदनों का समय पर सत्यापन कर उन्हें जिला कार्यालय को अग्रेषित करने का आग्रह किया है।

समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय

विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में लंबित आवेदनों का निस्तारण नहीं होने पर संबंधित विद्यार्थी और शिक्षण संस्थान जिम्मेदार होंगे। पात्र विद्यार्थियों को उपलब्ध बजट और समय सीमा के भीतर छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के लिए विभाग ने संस्थानों से तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।

जरूरी तारीखें:

सत्र 2024-25: 15 सितम्बर 2026

सत्र 2025-26: 15 अक्टूबर 2026

राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, 24 जिलों में बारिश का अलर्ट, भरतपुर में बिजली गिरने से नाबालिग की मौत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 4 सितंबर। राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने नए मौसम तंत्र के असर से शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने आज 24 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम का यह दौर 6 सितंबर तक जारी रहने की संभावना है। बारिश के चलते कई शहरों में जलभराव की स्थिति बन गई है। सवाई माधोपुर में सड़कें पानी में डूब गईं, जबकि रणथंभौर क्षेत्र में शेरपुर-खिलचीपुर मार्ग की रपट पर पानी आने से यातायात रोकना पड़ा। खंडार में जलभराव के कारण कई लोग घरों में फंस गए।

भरतपुर में आकाशीय बिजली से नाबालिग की मौत

भरतपुर के रुदावल थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव में शुक्रवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से 17 वर्षीय नितेश गुर्जर की मौत हो गई। हादसे में उसका भाई सुनील गुर्जर और 60 वर्षीय केशरदेवी झुलस गए। दोनों को बयाना अस्पताल से भरतपुर रेफर किया गया है। तीनों मवेशी चराने गए थे और बारिश से बचने के लिए बरगद के पेड़ के नीचे बैठे थे, तभी पेड़ पर बिजली गिर गई।

बांधों के गेट खुले, नदियां उफान पर

झालावाड़ में लगातार बारिश के बाद कालीसिंध और छापी बांध के कुल पांच गेट खोले गए हैं। बारां में सिरसा नदी उफान पर है। चित्तौड़गढ़ के राणा प्रताप सागर बांध के कैचमेंट क्षेत्र में 24 घंटे में 23.60 मिमी बारिश दर्ज हुई और बांध में करीब 5 हजार क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है। कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर, दौसा और नदबई समेत कई इलाकों में भी बारिश हुई। नदबई में करीब एक घंटे तक तेज बारिश दर्ज की गई। बारिश से तापमान में भी गिरावट आई है और कई जिलों में अधिकतम तापमान करीब 6 डिग्री तक नीचे आया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक नए सिस्टम के प्रभाव से भरतपुर, जयपुर, बीकानेर, अजमेर और कोटा संभाग में बारिश और तेज हवाओं की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

मतदान दिवस पर स्थानीय अवकाश घोषित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 4 सितंबर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत उदयपुर जिले में मतदान दिवसों पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) गौरव अग्रवाल द्वारा आदेशानुसार बुधवार 9 सितंबर को नगर पालिका भीण्डर, वल्लभनगर एवं फतहनगर-सनवाड़ के निर्वाचन क्षेत्रों में अवकाश रहेगा। वहीं शुक्रवार 11 सितंबर को नगर निगम उदयपुर तथा नगर पालिका कानोड़ एवं मावली के निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित समस्त सरकारी कार्यालयों में भी अवकाश रहेगा। साथ ही निजी एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, औद्योगिक उपक्रमों तथा अन्य संस्थानों में कार्यरत संबंधित मतदाताओं को भी मतदान के लिए संवैतनिक अवकाश देय होगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।